बुधवार, 17 जून, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

अर्जेंटीना की चुनौती मेसी पर टिकी दुनिया की निगाहें

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

करण जौहर ने मलयालम सिनेमा में रखा कदम

Page-05

जी-7 में यूक्रेन और ईरान मुद्दे पर मंथन मोदी समेत वैश्विक नेताओं की अहम बैठक

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन वैश्विक सुरक्षा, यूक्रेन युद्ध और ईरान के परमाणु कार्यक्रम जैसे मुद्दे चर्चा के केंद्र में रहे। सम्मेलन में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। भारत को लगातार आठवें वर्ष इस महत्वपूर्ण वैश्विक मंच पर आमंत्रित किया गया है, जिसे विकासशील देशों और 'ग्लोबल साउथ' की मजबूत आवाज माना जाता है।प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा को कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सम्मेलन के दौरान उनकी कई प्रमुख वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें निर्धारित हैं। विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ होने वाली मुलाकात पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें टिकी हुई हैं। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच व्यापार, रक्षा सहयोग, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर चर्चा हो सकती है।इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सम्मेलन के दौरान बड़ा बयान देते हुए कहा कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज़ जलडमरूमध्य शुक्रवार तक पूरी तरह से फिर से खोल दिया जाएगा। ट्रंप ने यह भी घोषणा की कि अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) का विस्तृत विवरण जल्द सार्वजनिक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समझौते का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान भविष्य में परमाणु हथियार विकसित न करे और न ही अपने पास रखे।ट्रंप ने बताया कि समझौते में ईरान की ओर से परमाणु हथियारों के विकास पर स्पष्ट प्रतिबद्धता दर्ज की गई है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि समझौते को समीक्षा के लिए अमेरिकी कांग्रेस के समक्ष रखा जा सकता है। उनके अनुसार यह कदम समझौते को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने में मदद करेगा।उधर, जी-7 देशों के नेताओं ने यूक्रेन युद्ध को लेकर भी व्यापक चर्चा की। फ्रांस के एक राजनयिक सूत्र के अनुसार सदस्य देशों ने यूक्रेन के प्रति अपना समर्थन जारी रखने और रूस पर दबाव बढ़ाने की रणनीति पर सहमति व्यक्त की। नेताओं ने रूस की ऊर्जा आय को प्रभावित करने के लिए तेल और गैस क्षेत्र से जुड़े अतिरिक्त प्रतिबंधों की संभावनाओं पर भी विचार किया।विश्लेषकों का मानना है कि जी-7 सम्मेलन में लिए जाने वाले निर्णय आने वाले महीनों में वैश्विक राजनीति, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं। ऐसे में सम्मेलन से निकलने वाले संदेशों पर पूरी दुनिया की नजर बनी हुई है।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 सम्मेलन में भाग लेकर वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ताएं
- जी-7 देशों ने यूक्रेन के समर्थन और रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने पर सहमति जताई, जबकि अमेरिका-ईरान समझौते पर भी चर्चा तेज हुई।

राहुल गांधी का युवाओं को आह्वान, बोले- छात्रों की आवाज को आंदोलन में बदलना होगा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देशभर के छात्रों और युवाओं से 17 जून को राजस्थान के कोटा में आयोजित होने वाली 'इको ऑफ स्टूडेंट्स' मेगा रैली में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित करना किसी भी सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन वर्तमान व्यवस्था इस कसौटी पर खरा उतरने में विफल रही है।सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में राहुल गांधी ने कहा कि युवाओं के सपनों को लगातार झटके लग रहे हैं। उन्होंने पेपर लीक, परीक्षाओं में अव्यवस्था, भर्ती प्रक्रियाओं के रद्द होने, बढ़ती शिक्षा फीस, निजीकरण और विभिन्न घोटालों का उल्लेख करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि लाखों छात्र और युवा वर्षों की मेहनत के बाद भी व्यवस्था की खामियों का शिकार हो रहे हैं।उन्होंने कहा कि युवाओं का भविष्य ही देश का भविष्य तय करता है और इसलिए छात्रों की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राहुल गांधी ने देश के विभिन्न राज्यों, शहरों और कस्बों से छात्रों को कोटा पहुंचकर अपनी आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज को एक बड़े जनआंदोलन का स्वरूप देने की जरूरत है ताकि शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर सरकार जवाबदेह बने। इस बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी छात्रों के मुद्दों को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले पेपर लीक और परीक्षा संबंधी विवादों ने लाखों विद्यार्थियों और उनके परिवारों को मानसिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से प्रभावित किया है।

पंजाब के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल-इंजन सरकार चाहते हैं

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को कहा कि पंजाब के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल-इंजन सरकार बनाना चाहते हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुँच रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग देख रहे हैं कि हरियाणा में पीएम मोदी के नेतृत्व में कई योजनाएं चल रही हैं। डबल-इंजन सरकार के तहत सीधे लाभ मिल रहे हैं। पंजाब के लोग मोदी के नेतृत्व में डबल-इंजन सरकार लाना चाहते हैं और उन्होंने मन बना लिया है। इस बार, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पंजाब में भी कमल खिलेगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री सैनी ने नेशनल कैपिटल रीजन प्लानिंग बोर्ड की 42वीं बैठक में बात की, जिसमें क्षेत्रीय विकास से जुड़े अहम फैसले लिए गए। NCR प्लानिंग बोर्ड की 42वीं बैठक आज हुई। इसमें कई मुद्दों पर चर्चा हुई। सबसे पहले, यह तय किया गया कि NCR इलाके में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। यह फ़ैसला लिया गया। आज की बैठक में NCR क्षेत्र के लिए 2041 के रीजनल प्लान पर भी चर्चा हुई। इसे अंतिम रूप देने के लिए एक सब-कमेटी बनाई गई। यह सब-कमेटी केंद्र और राज्य के अधिकारियों और सभी राज्यों के सुझावों पर विचार करेगी और 15 अगस्त तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। उन्होंने आगे कहा कि एक और विषय, NCR प्लानिंग बोर्ड की अगली बैठक, दिसंबर के आसपास होगी। इसी तरह, RRTS के साथ-साथ चार नए ग्रीनफील्ड शहरों - नमो सिटीज़ - के विकास के लिए राज्यों से प्रस्ताव मांगे गए हैं।

जयपुर हमले पर अभिजीत दीपके का आरोप, बोले- छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने जयपुर में उन पर हुए कथित हमले को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। मंगलवार को नागपुर पहुंचने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने दावा किया कि यह हमला एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य नीट-यूजी पेपर लीक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाना और छात्रों की आवाज को दबाना है।दीपके ने आरोप लगाया कि हमले के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े कुछ लोगों की भूमिका हो सकती है। उन्होंने कहा कि जब भी कोई व्यक्ति सरकार या उसकी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाता है, तब इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं। हालांकि उन्होंने किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं लिया, लेकिन पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।गौरतलब है कि सोमवार को जयपुर में आयोजित एक विरोध प्रदर्शन के दौरान अभिजीत दीपके के साथ कथित मारपीट की घटना सामने आई थी। इस मामले में पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है।नागपुर में सीजेपी द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे दीपके ने कहा कि उनका आंदोलन एक करोड़ से अधिक छात्रों से जुड़े मुद्दों के लिए है और वे किसी भी दबाव में पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा से जुड़े विवादों और छात्रों के भविष्य के सवालों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।आरएसएस से संबंध और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूर्व मुलाकात के संबंध में पूछे गए सवाल पर दीपके ने कहा कि यदि उनके ऐसे संबंध थे, तो फिर उन पर हमला क्यों किया गया। उन्होंने दोहराया कि यह घटना मूल मुद्दों से ध्यान हटाने का प्रयास है।दीपके ने कहा कि उनकी पार्टी लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन जारी रखेगी। उन्होंने महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका संघर्ष सत्याग्रह और संवैधानिक मूल्यों पर आधारित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की धमकी या हमले से उनका आंदोलन रुकने वाला नहीं है और छात्र हितों की लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

'ऑपरेशन टाइगर' की चर्चाओं के बीच उद्धव का शक्ति प्रदर्शन

महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना (यूबीटी) के भीतर संभावित टूट और कथित 'ऑपरेशन टाइगर' को लेकर अटकलों का दौर जारी है। इसी बीच पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने सांसदों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर संगठन में एकजुटता का संदेश देने का प्रयास किया। हालांकि बैठक के बाद सामने आई विभिन्न जानकारियों ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है।बैठक में मौजूद सूत्रों के अनुसार उद्धव ठाकरे ने सांसदों से स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि कोई नेता पार्टी छोड़ना चाहता है तो वह ऐसा करने के लिए स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि वे किसी पर भी पार्टी में बने रहने का दबाव नहीं डालेंगे और जो भी निर्णय लेगा, उसके बेहतर भविष्य की कामना करेंगे। ठाकरे ने वर्ष 2022 में हुई शिवसेना की बड़ी बगावत का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय भी उन्हें घटनाक्रम की पूरी जानकारी थी, लेकिन उन्होंने किसी को रोकने या दबाव बनाने की कोशिश नहीं की।सूत्रों के मुताबिक ठाकरे ने कहा कि चार वर्ष पहले 40 विधायक पार्टी छोड़कर चले गए थे और उस समय भी उन्हें स्थिति का अंदाजा था। उन्होंने नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जो लोग बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा वाली शिवसेना से अलग हुए हैं, उन्हें भविष्य में अपने फैसले पर पछतावा हो सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और सांसदों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि राजनीतिक परिस्थितियां बदलती रहती हैं और समय आने पर पार्टी फिर मजबूत स्थिति में लौटेगी।

मीनाक्षी नटराजन प्रकरण के बाद कांग्रेस में बढ़ीं अंदरूनी कलह की चर्चाएं

मध्य प्रदेश कांग्रेस में मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन रद्द होने के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इस घटनाक्रम ने पार्टी को जहां राजनीतिक झटका दिया है, वहीं संगठन के भीतर गुटबाजी और वरिष्ठ नेताओं के बीच मतभेदों की चर्चाओं को भी हवा दे दी है। हाल ही में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कांग्रेस नेतृत्व की आंतरिक स्थिति को लेकर नई बहस छिड़ गई है।नामांकन रद्द होने के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी तथा अन्य नेता मौजूद थे। इसी दौरान रिकॉर्ड किए गए कुछ वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हुए, जिन्हें लेकर विभिन्न तरह की राजनीतिक व्याख्याएं की जा रही हैं।एक वीडियो में दिग्विजय सिंह हरीश चौधरी की ओर इशारा करते हुए दिखाई देते हैं। माना जा रहा है कि वह किसी नेता को मंच पर बुलाने का संकेत दे रहे थे। इस दौरान चौधरी द्वारा उन्हें शांत रहने का इशारा करते हुए देखा गया। इसके बाद दिग्विजय सिंह ने हाथ जोड़ लिए। इस दृश्य को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं। दिग्विजय सिंह के समर्थकों ने भी इसे लेकर नाराजगी व्यक्त की और कुछ ने इसे वरिष्ठ नेता के सम्मान से जोड़कर देखा।दूसरे वायरल वीडियो में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी दिग्विजय सिंह को संबोधन के लिए माइक सौंपते दिखाई देते हैं, लेकिन दिग्विजय सिंह हाथ के इशारे से बोलने से इनकार कर देते हैं। इस छोटी-सी घटना को भी राजनीतिक गलियारों में अलग-अलग नजरिए से देखा जा रहा है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे दृश्य पार्टी के भीतर असहजता की झलक दे सकते हैं।

जी-7 सम्मेलन में मोदी-ट्रंप की अहम मुलाकात

व्यापार से लेकर सुरक्षा तक कई मुद्दों पर होगी चर्चा

विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी अनिश्चितताओं के बीच व्यापार और निवेश से जुड़े मुद्दे बैठक के केंद्र में रह सकते हैं। अमेरिका भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और दोनों देश आपसी व्यापार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के प्रयासों में लगे हुए हैं। माना जा रहा है कि कुछ लंबित व्यापारिक मुद्दों पर भी सकारात्मक चर्चा हो सकती है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

कनाडा और फ्रांस की साझी मेजबानी में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच होने वाली द्विपक्षीय बैठक पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। दोनों नेताओं की यह लंबे अंतराल के बाद पहली प्रत्यक्ष मुलाकात मानी जा रही है, ऐसे में इसे भारत-अमेरिका संबंधों के लिए महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है। वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों, व्यापारिक चुनौतियों और सुरक्षा संबंधी मुद्दों के बीच होने वाली यह बैठक कई दृष्टियों से अहम मानी जा रही है।कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार दोनों नेताओं के बीच व्यापार समझौते, रक्षा सहयोग, उन्नत प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा होने की संभावना है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हुई है और दोनों देश रक्षा, ऊर्जा, विज्ञान तथा तकनीकी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। ऐसे में इस बैठक को दोनों देशों के संबंधों में अगले चरण की तैयारी के रूप में भी देखा जा रहा है।विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी अनिश्चितताओं के बीच व्यापार और निवेश से जुड़े मुद्दे बैठक के केंद्र में रह सकते हैं। अमेरिका भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और दोनों देश आपसी व्यापार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के प्रयासों में लगे हुए हैं। माना जा रहा है कि कुछ लंबित व्यापारिक मुद्दों पर भी सकारात्मक चर्चा हो सकती है।बैठक में मध्य पूर्व की स्थिति, रूस-यूक्रेन संघर्ष और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े विषय भी चर्चा का हिस्सा बन सकते हैं। हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय राजनीति में तेजी से बदलाव देखने को मिले हैं, जिसके चलते प्रमुख देशों के बीच रणनीतिक समन्वय की आवश्यकता और बढ़ गई है। भारत और अमेरिका दोनों ही इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता और मुक्त नौवहन के पक्षधर रहे हैं।कूटनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि जी-7 सम्मेलन के इतर होने वाली यह मुलाकात केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसके संकेत एशिया-प्रशांत क्षेत्र, वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर भी दिखाई दे सकते हैं। यही कारण है कि दुनिया भर के राजनीतिक और आर्थिक विशेषज्ञ इस बैठक के परिणामों पर करीबी नजर बनाए हुए हैं। यदि वार्ता सकारात्मक रहती है तो आने वाले समय में भारत-अमेरिका संबंधों को नई गति मिल सकती है और दोनों देशों के बीच सहयोग के नए द्वार खुल सकते हैं।

अमेरिका-ईरान शांति समझौते की ओर बढ़े कदम

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अमेरिका और ईरान के बीच महीनों से चले आ रहे तनाव के बाद शांति समझौते की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। दोनों देशों के बीच हुए प्रारंभिक समझौते के तहत ईरान ने परमाणु हथियार विकसित न करने की प्रतिबद्धता जताई है, जबकि अमेरिका ने कुछ प्रतिबंधों में राहत और क्षेत्रीय तनाव कम करने के संकेत दिए हैं। समझौते के औपचारिक दस्तावेज पर इस सप्ताह जिनेवा में हस्ताक्षर होने की संभावना जताई जा रही है।समझौते के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा पूरी तरह खोलने की योजना शामिल है। यह जलमार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। पिछले कुछ महीनों के तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों में अनिश्चितता बनी हुई थी, लेकिन समझौते की खबर सामने आते ही तेल कीमतों में नरमी देखी गई है।समझौते के तहत अंतरराष्ट्रीय परमाणु निरीक्षकों की ईरान में वापसी और परमाणु गतिविधियों की निगरानी का भी प्रावधान शामिल है। हालांकि इजरायल ने समझौते के कुछ पहलुओं पर आपत्ति जताई है और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है। दूसरी ओर कई यूरोपीय देशों और संयुक्त राष्ट्र ने इस पहल का स्वागत किया है। कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समझौता सफलतापूर्वक लागू हो जाता है तो यह मध्य पूर्व में स्थिरता स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकता है। साथ ही वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को भी राहत मिलने की संभावना है। फिलहाल दुनिया की नजरें जिनेवा में होने वाली अगली वार्ता और समझौते के अंतिम स्वरूप पर टिकी हुई हैं।

34 और जहाज़ों के भारतीय बंदरगाहों तक सुरक्षित और तेज़ी से पहुंचने की उम्मीदें

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

सोमवार को होर्मुज़ (Strait of Hormuz) से भारत आने वाले LNG कैरियर 'दिशा' के सुरक्षित गुज़रने से, फ़ारस की खाड़ी में फंसे भारत और दूसरे देशों के झंडे वाले 34 और जहाज़ों के भारतीय बंदरगाहों तक सुरक्षित और तेज़ी से पहुंचने की उम्मीदें बढ़ गई हैं, क्योंकि अमेरिका और ईरान ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने का फ़ैसला किया है। भारत आ रहे इन जहाजों में से 15 जहाजों में कच्चा तेल, LNG और LPG लदा है, जबकि बाकी तीन जहाजों में दूसरा सामान है। पश्चिम एशिया में हाल की घटनाओं के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए, शिपिंग मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने कहा, "LNG कैरियर 'दिशा' सुरक्षित रूप से होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुज़र चुका है और इसमें 62,370 टन LNG कार्गो लदा है। इस जहाज के 18 जून को पहुंचने की उम्मीद है।" हालांकि, इनमें से खाद (फ़र्टिलाइज़र) से लदे 16 जहाज़ों के आने से मिट्टी के लिए ज़रूरी पोषक तत्व की सप्लाई बढ़ाने में मदद मिलेगी, लेकिन नीति-निर्माता अभी भी सावधानी बरत रहे हैं क्योंकि ऊर्जा सप्लाई में सुधार से तुरंत राहत नहीं मिल सकती है, क्योंकि बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। खाद विभाग की संयुक्त सचिव वंदना प्रेयशी ने

बताया कि इस अहम जलडमरूमध्य में मौजूद 16 जहाजों में से आठ में यूरिया, चार में डाय-अमोनियम फॉस्फेट (DAP), तीन में सल्फर और एक में अमोनिया लदा है। भारत और ईरान युद्ध से पहले, भारत अपनी ज़रूरत का 88% से ज़्यादा कच्चा तेल आयात करता था, जिसमें से लगभग आधा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता था। आयातित LNG का 60% से ज़्यादा हिस्सा भी होर्मुज़ जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) से होकर आता था। भारत अपनी LPG ज़रूरतों का लगभग 60% पश्चिम एशिया से पूरा करता था और इसमें से लगभग 90% सप्लाई होर्मुज़ से होकर आती थी।

ताइवान ने बढ़ाया रक्षा बजट, चीन के बढ़ते दबाव के बीच राष्ट्रपति लाई का बड़ा ऐलान

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

चीन और ताइवान के बीच जारी तनाव के बीच ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने रक्षा बजट में कटौती के बावजूद सैन्य आधुनिकीकरण की योजनाओं को जारी रखने का संकल्प दोहराया है। मंगलवार को एक सैन्य अड्डे के दौरे के दौरान राष्ट्रपति लाई ने कहा कि देश अपनी सुरक्षा और रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि संसद द्वारा प्रस्तावित अतिरिक्त रक्षा बजट में कटौती किए जाने के बावजूद सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए वैकल्पिक रास्ते तलाशेगी।ताइवान सरकार आने वाले वर्षों में रक्षा व्यय को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग पांच प्रतिशत तक ले जाने की योजना पर काम कर रही है। इसके तहत स्वदेशी ड्रोन, मिसाइल प्रणाली और आधुनिक रक्षा उपकरणों के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। राष्ट्रपति लाई ने कहा कि यूक्रेन और मध्य पूर्व के हालिया संघर्षों से यह स्पष्ट हुआ है कि आधुनिक युद्ध में तकनीकी क्षमता और त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली बेहद महत्वपूर्ण हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब चीन लगातार ताइवान पर राजनीतिक और सैन्य दबाव बढ़ा रहा है। हाल के महीनों में ताइवान के आसपास चीनी सैन्य गतिविधियों और समुद्री निगरानी अभियानों में वृद्धि देखी गई है। बीजिंग ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान स्वयं को एक स्वतंत्र लोकतांत्रिक व्यवस्था के रूप में संचालित करता है।

जी-7 सम्मेलन में यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व संकट छाया जेलेंस्की ने ट्रंप से मांगा ठोस समर्थन

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

फ्रांस के एवियन में चल रहे जी-7 शिखर सम्मेलन का दूसरा दिन यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व की बदलती परिस्थितियों के नाम रहा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सम्मेलन में भाग लेते हुए अमेरिका और यूरोपीय देशों से रूस के खिलाफ समर्थन जारी रखने की अपील की। सम्मेलन में शामिल नेताओं के बीच यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की संभावनाओं, रूस पर नए दबाव और युद्धग्रस्त क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गहन चर्चा हुई।जेलेंस्की ने दावा किया कि हाल के महीनों में यूक्रेनी सेना ने रूस के भीतर कई रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाया है, जिससे युद्ध की स्थिति में बदलाव आया है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के दौरान युद्ध समाप्ति के लिए अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। दूसरी ओर ट्रंप ने कहा कि शांति वार्ता की संभावनाओं को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता और उन्होंने रूस तथा यूक्रेन

दोनों पक्षों के साथ संपर्क बनाए रखने की बात कही।सम्मेलन में मध्य पूर्व की स्थिति भी प्रमुख एजेंडा रही। अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में बने प्रारंभिक समझौते तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन व्यवस्था की बहाली पर नेताओं ने चर्चा की। यूरोपीय देशों ने चिंता जताई कि किसी भी समझौते में ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संबोधित किया जाना चाहिए।इस बीच ब्रिटेन ने रूस के तथाकथित "शैडो फ्लीट" और उससे जुड़े वित्तीय नेटवर्क पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। वहीं यूक्रेन में रूसी हमलों के जारी रहने से युद्धविराम की संभावनाओं पर भी सवाल उठ रहे हैं। कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि जी-7 सम्मेलन के दौरान लिए जाने वाले फैसले आने वाले महीनों में यूक्रेन युद्ध की दिशा और यूरोप की सुरक्षा रणनीति को प्रभावित कर सकते हैं। फिलहाल दुनिया की नजरें एवियन में हो रही बैठकों और वहां से निकलने वाले साझा संदेश पर टिकी हुई हैं।

संपादक की कलम से

शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न:
देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में शामिल नीट परीक्षा एक बार फिर विवादों के केंद्र में है। पेपर लीक की आशंकाओं, परीक्षा प्रक्रिया पर उठे सवालों और जांच एजेंसियों की सक्रियता ने न केवल लाखों विद्यार्थियों और अभिभावकों की चिंता बढ़ाई है, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। हाल के घटनाक्रमों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल परीक्षा आयोजित कर देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है।भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं करोड़ों युवाओं के भविष्य का आधार हैं। विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम कर इन परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। ऐसे में यदि परीक्षा की गोपनीयता भंग होने या प्रश्नपत्र लीक होने की खबरें सामने आती हैं तो सबसे बड़ा आघात उन ईमानदार अभ्यर्थियों को पहुंचता है जिन्होंने अपनी मेहनत और योग्यता के बल पर सफलता प्राप्त करने का सपना देखा होता है। इससे न केवल छात्रों का मनोबल प्रभावित होता है बल्कि पूरी चयन प्रक्रिया पर अविश्वास का वातावरण भी बनता है।पेपर लीक की घटनाएं कोई नई समस्या नहीं हैं। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न राज्यों और राष्ट्रीय स्तर की कई परीक्षाओं में इस प्रकार की शिकायतें सामने आती रही हैं। यह स्थिति बताती है कि परीक्षा प्रणाली में अभी भी ऐसी कमजोरियां मौजूद हैं जिनका फायदा संगठित गिरोह उठाने में सफल हो जाते हैं। तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ-साथ अपराध के तरीके भी बदल रहे हैं, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को भी उसी गति से आधुनिक बनाना होगा।सरकार द्वारा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और जांच एजेंसियों की सक्रियता स्वागत योग्य कदम हैं। किंतु केवल कार्रवाई से समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकलेगा। आवश्यकता इस बात की है कि परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित बनाया जाए, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता सुनिश्चित की जाए और परीक्षा प्रक्रिया में शामिल प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही तय हो। साथ ही, दोषियों को शीघ्र और कठोर दंड देकर यह संदेश भी देना होगा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के लिए किसी प्रकार की रियायत नहीं होगी।देश की युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि युवाओं का विश्वास शिक्षा और चयन प्रणाली से डगमगाता है तो इसका प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी प्रभावित करेगा। इसलिए समय की मांग है कि सरकार, परीक्षा एजेंसियां और समाज मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें जिसमें योग्यता ही सफलता का एकमात्र आधार बने और प्रत्येक विद्यार्थी को निष्पक्ष अवसर मिल सके। यही शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक मजबूती और लोकतांत्रिक समानता की पहचान होगी।Ask for changesCtrl

अकाल तख्त की सख्ती से पंजाब की राजनीति में भूचाल मुख्यमंत्री भगवंत मान पर बढ़ा दबाव

इस विवाद में अब कांग्रेस और भाजपा भी सक्रिय हो गई हैं। दोनों दलों ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि पंजाब में धार्मिक मुद्दे हमेशा चुनावी और राजनीतिक प्रभाव रखते हैं।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पंजाब की राजनीति में सोमवार को उस समय नया राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया जब अकाल तख्त ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से जुड़े विवादित मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए राज्य सरकार और आम आदमी पार्टी को कठघरे में खड़ा कर दिया। इस घटनाक्रम के बाद पंजाब की राजनीति पूरी तरह गर्मा गई है और आम आदमी पार्टी तथा शिरोमणि अकाली दल के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है।विवाद उस वीडियो और सार्वजनिक कार्यक्रम को लेकर खड़ा हुआ, जिसे लेकर सिख धार्मिक परंपराओं और मर्यादाओं के उल्लंघन के आरोप लगाए गए थे। मामले ने तूल तब पकड़ा जब अकाल तख्त ने इस पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान के अलावा कुछ मंत्रियों और विधायकों के आचरण को लेकर सवाल उठाए। अकाल तख्त की ओर से संबंधित पक्षों से स्पष्टीकरण मांगे जाने के बाद यह मुद्दा धार्मिक दायरे से निकलकर राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बन गया।शिरोमणि अकाली दल ने इस मामले को मुख्यमंत्री की नैतिक जिम्मेदारी से जोड़ते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला है। अकाली नेताओं का कहना है कि पंजाब की धार्मिक परंपराओं का सम्मान करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का कर्तव्य है और यदि किसी भी स्तर पर मर्यादा का उल्लंघन हुआ है तो उसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। पार्टी ने मुख्यमंत्री से सार्वजनिक रूप से स्थिति स्पष्ट करने की मांग भी की है।वहीं आम आदमी पार्टी ने पूरे विवाद को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि विपक्ष जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल कर रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी स्पष्ट किया है कि उनकी सरकार सभी धर्मों और धार्मिक संस्थाओं का सम्मान करती है तथा किसी की भावनाओं को आहत करने का कोई उद्देश्य नहीं था। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार सामाजिक सद्भाव और धार्मिक सम्मान की नीति पर काम कर रही है।इस विवाद में अब कांग्रेस और भाजपा भी सक्रिय हो गई हैं। दोनों दलों ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि पंजाब में धार्मिक मुद्दे हमेशा चुनावी और राजनीतिक प्रभाव रखते हैं। ऐसे में अकाल तख्त की सक्रियता और राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया आने वाले दिनों में राज्य की राजनीति को नई दिशा दे सकती है।विशेषज्ञों के अनुसार यह विवाद केवल एक बयान या कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे पंजाब में धार्मिक संस्थाओं और राजनीतिक नेतृत्व के संबंधों पर भी बहस शुरू हो गई है। आगामी दिनों में अकाल तख्त की अगली कार्रवाई और सरकार की प्रतिक्रिया पर पूरे राज्य की नजरें टिकी रहेंगी। यदि विवाद और गहराता है तो इसका असर आने वाले राजनीतिक समीकरणों और चुनावी रणनीतियों पर भी पड़ सकता है।

महाराष्ट्र की राजनीति में फिर हलचल, शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों के पाला बदलने की अटकलें तेज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर दल-बदल की अटकलों ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के कई सांसदों के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट में शामिल होने की संभावनाओं को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि अभी तक किसी बड़े नेता ने आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर व्यापक चर्चा हो रही है।सूत्रों के अनुसार कुछ सांसदों और नेताओं के संपर्क में होने की खबरों के बाद विपक्षी खेमे में चिंता बढ़ गई है। महाविकास अघाड़ी के नेताओं ने इसे राजनीतिक दबाव और सत्ता के प्रभाव का परिणाम बताया है। वहीं शिंदे गुट का कहना है कि यदि कोई जनप्रतिनिधि विकास और स्थिरता की राजनीति के लिए उनके साथ आता है तो उसका स्वागत किया जाएगा।उद्धव ठाकरे गुट ने इन अटकलों को खारिज करते हुए दावा किया है कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है और कार्यकर्ता नेतृत्व के साथ मजबूती से खड़े हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि विपक्ष को कमजोर दिखाने के लिए जानबूझकर अफवाहें फैलाई जा रही हैं।महाराष्ट्र में पिछले कुछ वर्षों के दौरान कई बड़े राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिले हैं। शिवसेना में विभाजन और उसके बाद सत्ता परिवर्तन ने राज्य की राजनीति की दिशा बदल दी थी। ऐसे में नए दल-बदल की चर्चाओं को राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि आने वाले दिनों में कोई बड़ा नेता पाला बदलता है तो इसका असर केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी विपक्षी एकता की राजनीति पर प्रभाव पड़ सकता है। फिलहाल सभी दल स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए हैं और आधिकारिक घटनाक्रम का इंतजार कर रहे हैं।

नीट पेपर लीक विवाद पर केंद्र की बड़ी कार्रवाई, टेलीग्राम पर रोक से सियासी संग्राम तेज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

देश की विपक्षी राजनीति में इन दिनों नए समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हैं। हाल के चुनावी परिणामों के बाद कई क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस से गठबंधन के भीतर अपनी भूमिका और भागीदारी को लेकर स्पष्टता की मांग की है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी चुनावों को देखते हुए विपक्षी दल अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में जुटे हैं।सूत्रों के अनुसार कई क्षेत्रीय दलों का मानना है कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता तभी प्रभावी हो सकती है जब सभी सहयोगी दलों को निर्णय प्रक्रिया में बराबर महत्व मिले। कुछ नेताओं ने सीट बंटवारे, साझा कार्यक्रम और नेतृत्व से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की आवश्यकता जताई है।कांग्रेस नेतृत्व ने सहयोगी दलों की चिंताओं को गंभीरता से लेने का संकेत दिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि विपक्षी एकता समय की मांग है और सभी दलों के सुझावों का सम्मान किया जाएगा। कांग्रेस का दावा है कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और जनता के मुद्दों को उठाने के लिए व्यापक सहयोग आवश्यक है।दूसरी ओर भाजपा ने विपक्षी दलों के बीच मतभेदों को उजागर करते हुए कहा है कि गठबंधन के भीतर नेतृत्व को लेकर स्पष्टता नहीं है। भाजपा नेताओं का आरोप है कि विपक्षी दल केवल चुनावी मजबूरी में साथ दिखाई देते हैं और उनके बीच वैचारिक एकरूपता का अभाव है।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले महीनों में विपक्षी दलों के बीच बैठकों और बातचीत का दौर और तेज होगा। यदि सहयोगी दलों की मांगों का समाधान निकाला जाता है तो विपक्ष एक मजबूत रणनीति के साथ आगे बढ़ सकता है। वहीं मतभेद बढ़ने की स्थिति में कई राज्यों में नए राजनीतिक समीकरण उभर सकते हैं। फिलहाल विपक्षी राजनीति का केंद्र बिंदु संगठनात्मक समन्वय और नेतृत्व का सवाल बना हुआ है।

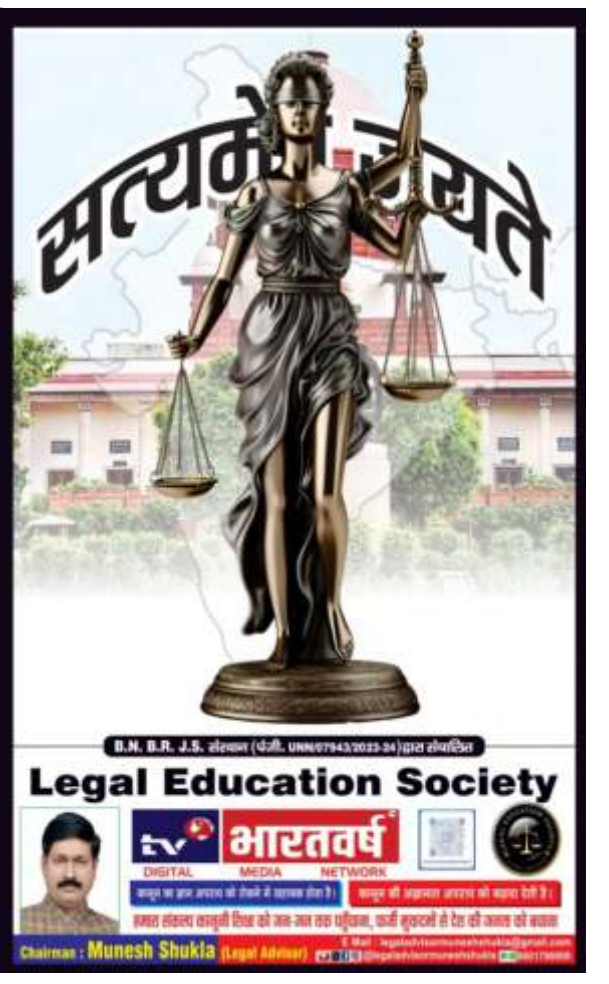

एनटीए ने सीयूईटी-यूजी परिणाम की तैयारियां तेज कीं लाखों विद्यार्थियों को रिजल्ट का इंतजार

देशभर के लाखों विद्यार्थियों की निगाहें अब कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी-यूजी) 2026 के परिणाम पर टिकी हुई हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा परिणाम जारी करने की प्रक्रिया को अंतिम चरण में पहुंचा दिया है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों समेत देश के कई प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों में स्नातक स्तर के प्रवेश के लिए आयोजित इस परीक्षा में इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। परिणाम जारी होने के साथ ही देशभर के विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया और काउंसलिंग का दौर शुरू हो जाएगा।एनटीए द्वारा परीक्षा संपन्न होने के बाद प्रारंभिक उत्तर कुंजी जारी की गई थी, जिस पर अभ्यर्थियों से आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आपत्तियों की समीक्षा विषय विशेषज्ञों की समितियों द्वारा की गई और अब अंतिम उत्तर कुंजी के आधार पर परिणाम तैयार किया जा रहा है। एजेंसी के अधिकारियों के अनुसार मूल्यांकन प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और परिणाम जल्द जारी किए जाने की संभावना है।सीयूईटी पिछले कुछ वर्षों में देश की उच्च शिक्षा प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इससे पहले विभिन्न विश्वविद्यालय अपनी अलग-अलग प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करते थे, जिससे विद्यार्थियों को कई परीक्षाओं में शामिल होना पड़ता था। सीयूईटी लागू होने के बाद छात्रों को एक ही परीक्षा के माध्यम से अनेक विश्वविद्यालयों में प्रवेश का अवसर मिलने लगा है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस व्यवस्था ने प्रवेश प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, समान और प्रतिस्पर्धी बनाया है।परिणाम जारी होने के बाद केंद्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों और अन्य भाग लेने वाले संस्थानों द्वारा मेरिट सूची और कटऑफ जारी की जाएगी। कई विश्वविद्यालयों ने पहले ही अपनी प्रवेश प्रक्रिया की प्रारंभिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। छात्रों को सलाह दी गई है कि वे परिणाम आने के बाद संबंधित विश्वविद्यालयों की आधिकारिक वेबसाइटों पर नियमित रूप से नजर बनाए रखें ताकि काउंसलिंग और दस्तावेज सत्यापन से जुड़ी कोई महत्वपूर्ण सूचना छूट न जाए।इस वर्ष परीक्षा में बड़ी संख्या में ग्रामीण और छोटे शहरों के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया है, जिससे उच्च शिक्षा के अवसरों तक पहुंच का दायरा और व्यापक हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि सीयूईटी के माध्यम से प्रतिभाशाली छात्रों को देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों तक पहुंचने का बेहतर अवसर मिल रहा है।अभिभावकों और विद्यार्थियों के बीच परिणाम को लेकर उत्सुकता चरम पर है। लाखों छात्र अपने पसंदीदा विश्वविद्यालय और विषय में प्रवेश पाने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अब सभी की निगाहें एनटीए की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हैं, जो देश के उच्च शिक्षा सत्र 2026-27 की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

स्कूलों में एआई आधारित शिक्षा पर बढ़ा जोर

देश में शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। केंद्रीय और राज्य शिक्षा विभागों द्वारा स्कूलों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई नई पहल शुरू की जा रही हैं। इसी क्रम में अनेक विद्यालयों में एआई आधारित शिक्षण सामग्री, स्मार्ट लर्निंग प्लेटफॉर्म और व्यक्तिगत अध्ययन मॉड्यूल को शामिल किया जा रहा है।शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि एआई की मदद से विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता, रुचि और प्रदर्शन का विश्लेषण कर उन्हें उनकी आवश्यकता के अनुसार अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जा सकती है। इससे कमजोर छात्रों को अतिरिक्त सहायता और प्रतिभाशाली छात्रों को उन्नत अध्ययन का अवसर मिलेगा।नई शिक्षा नीति के तहत भी तकनीक आधारित शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। कई राज्यों में शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि वे आधुनिक तकनीकों का प्रभावी उपयोग कर सकें। साथ ही विद्यार्थियों को कोडिंग, डेटा विश्लेषण और डिजिटल कौशल से परिचित कराने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीक का उपयोग शिक्षकों का विकल्प नहीं बल्कि सहयोगी उपकरण के रूप में होना चाहिए। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाना भी एक बड़ी चुनौती है। इसके बावजूद शिक्षा जगत का मानना है कि एआई आधारित शिक्षा आने वाले वर्षों में सीखने और पढ़ाने के तरीकों में बड़ा बदलाव ला सकती है और विद्यार्थियों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

विशेन हलमबेज लगातार कर रहे थे वैभव सूर्यवंशी को स्लेज

फीफा विश्व कप 2026 में आज अर्जेंटीना की चुनौती
मेसी पर टिकी दुनिया की निगाहें

फीफा विश्व कप 2026 में मंगलवार का दिन फुटबॉल प्रेमियों के लिए बेहद खास रहने वाला है। गत विश्व चैंपियन अर्जेंटीना अपने अभियान की शुरुआत अल्जीरिया के खिलाफ मुकाबले से करेगा। पूरी दुनिया की निगाहें एक बार फिर स्टार खिलाड़ी और कप्तान लियोनेल मेसी पर टिकी हुई हैं, जो अपने करियर के अंतिम विश्व कप के रूप में देखे जा रहे इस टूर्नामेंट में टीम का नेतृत्व कर रहे हैं।अर्जेंटीना ने पिछले विश्व कप की सफलता के बाद भी अपनी मजबूत टीम संरचना को बरकरार रखा है। कोचिंग स्टाफ का मानना है कि टीम अनुभव और युवा खिलाड़ियों के संतुलन के साथ मैदान में उतरेगी। अल्जीरिया को अपेक्षाकृत कमजोर टीम माना जा रहा है, लेकिन विश्व कप जैसे बड़े मंच पर किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता।विश्व कप के शुरुआती मुकाबलों में कई बड़े उलटफेर देखने को मिले हैं, जिसके कारण अर्जेंटीना अतिरिक्त सतर्कता के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रहा है। मेसी के अलावा टीम के कई युवा खिलाड़ियों पर भी नजर रहेगी, जो पहली बार विश्व कप के दबाव का सामना करेंगे।फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि अर्जेंटीना इस बार भी खिताब के प्रमुख दावेदारों में शामिल है। यदि टीम जीत के साथ अभियान की शुरुआत करती है तो आगामी मुकाबलों के लिए उसका मनोबल और मजबूत होगा। विश्वभर के करोड़ों फुटबॉल प्रशंसक इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

लीड्स टेस्ट से पहले भारतीय टीम की तैयारियां पूरी

भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले भारतीय टीम ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खिलाड़ियों ने मंगलवार को लंबा अभ्यास सत्र किया, जिसमें बल्लेबाजी, तेज गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया। यह श्रृंखला भारतीय क्रिकेट के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि टीम एक नए नेतृत्व और नए संयोजन के साथ मैदान में उतरने जा रही है।टीम प्रबंधन इंग्लैंड की परिस्थितियों को देखते हुए विशेष रणनीति पर काम कर रहा है। इंग्लैंड की पिचों पर स्विंग और सीम गेंदबाजी हमेशा से चुनौती रही है, इसलिए भारतीय बल्लेबाजों ने नेट्स में तेज गेंदबाजों के खिलाफ अतिरिक्त अभ्यास किया। वहीं गेंदबाजों ने भी परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए लाइन और लेंथ पर विशेष फोकस किया।क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यह श्रृंखला भारतीय टीम की नई पीढ़ी के लिए बड़ी परीक्षा होगी। कई युवा खिलाड़ियों को पहली बार इंग्लैंड में लंबी टेस्ट श्रृंखला खेलने का मौका मिल सकता है। टीम प्रबंधन भी भविष्य को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देने की रणनीति पर काम कर रहा है।दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम घरेलू परिस्थितियों का लाभ उठाने के लिए तैयार है। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच टेस्ट मुकाबले बेहद प्रतिस्पर्धी रहे हैं। ऐसे में क्रिकेट प्रेमियों को एक रोमांचक श्रृंखला की उम्मीद है। फिलहाल सभी की नजरें पहले टेस्ट पर टिकी हैं, जो दोनों टीमों की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

विंबलडन से पहले शीर्ष खिलाड़ियों ने बढ़ाई तैयारी, ग्रास कोर्ट सीजन पर टिकी नजरें

दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में शामिल विंबलडन 2026 के शुरू होने से पहले टेनिस जगत में हलचल तेज हो गई है। ग्रास कोर्ट सीजन अपने निर्णायक चरण में पहुंच चुका है और दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। जर्मनी, ब्रिटेन और नीदरलैंड में खेले जा रहे विभिन्न ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट खिलाड़ियों के लिए विंबलडन से पहले फॉर्म और आत्मविश्वास हासिल करने का महत्वपूर्ण मंच बन गए हैं।विशेषज्ञों के अनुसार घास के कोर्ट पर खेलना क्ले और हार्ड कोर्ट की तुलना में बिल्कुल अलग चुनौती पेश करता है। यहां गेंद की गति अधिक होती है और बाउंस अपेक्षाकृत कम रहता है, जिसके कारण खिलाड़ियों को तेज प्रतिक्रिया, मजबूत सर्विस और नेट पर बेहतर खेल दिखाना पड़ता है। यही वजह है कि कई शीर्ष खिलाड़ी अपने खेल में आवश्यक बदलाव लाने के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविरों में हिस्सा ले रहे हैं।पुरुष वर्ग में इस बार खिताब की दौड़ बेहद रोमांचक मानी जा रही है। युवा खिलाड़ियों ने पिछले कुछ महीनों में शानदार प्रदर्शन कर अनुभवी सितारों को कड़ी चुनौती दी है। वहीं कई पूर्व चैंपियन भी अपनी पुरानी लय हासिल करने की कोशिश में जुटे हैं। महिला वर्ग में भी मुकाबला बेहद खुला दिखाई दे रहा है, जहां कई खिलाड़ी बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रही हैं और खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं।ग्रास कोर्ट सीजन के दौरान खिलाड़ियों की फिटनेस भी चर्चा का प्रमुख विषय बनी हुई है। लगातार मुकाबलों और तेज गति वाले खेल के कारण चोट का जोखिम बढ़ जाता है। ऐसे में खिलाड़ी और उनकी कोचिंग टीमें फिटनेस प्रबंधन पर विशेष ध्यान दे रही हैं ताकि विंबलडन के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जा सके।टेनिस विश्लेषकों का मानना है कि विंबलडन 2026 में कई बड़े उलटफेर देखने को मिल सकते हैं। ग्रास कोर्ट पर छोटे अंतर भी मैच का परिणाम बदल सकते हैं, जिससे टूर्नामेंट और अधिक रोमांचक बनने की उम्मीद है। दुनिया भर के टेनिस प्रेमियों की नजरें अब आगामी ग्रास कोर्ट प्रतियोगिताओं पर टिकी हैं, क्योंकि इन्हीं मुकाबलों से विंबलडन के संभावित दावेदारों की तस्वीर काफी हद तक साफ होगी।

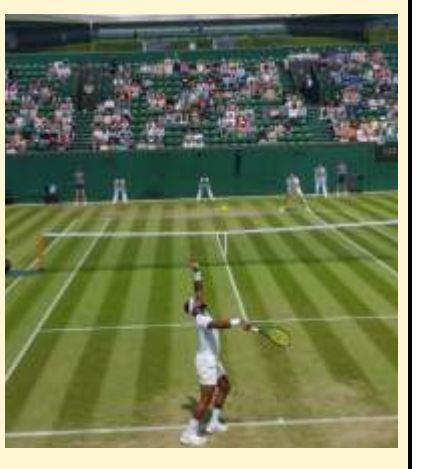

मनोरंजन

फिल्म ★ समीत ★ टीवी ★ ओटीटी ★ सेलिब्रिटी

भंसाली की 'लव एंड वॉर' अंतिम चरण में, रणबीर-आलिया-विक्की की तिकड़ी पर टिकी निगाहें

18 जून से शुरु होगी भव्य गाने की शुटिंग, भव्य सेट और युद्ध दृस्यों से सजी होगी फिल्म

मुंबई। निर्देशक संजय लीला भंसाली की वहुप्रतीधित फिल्म 'लव एंड वॉर' अपने निर्मांण के अंतिम चरण में पहुंच गई है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल 18 जून से एक भव्य गीत की शुटिग के लिए एक साथ केमरे के सानने नजर आएंगे। यह गीत फिल्म के वबसे महत्वपूर्ण हिस्सों में मे एक बताया जा रहा है। फिल्म की अजिकांश शुटिंग पूरी हो चुकी है और अव निमोता अतिम महत्वपूर्ण द्रस्यों और गीतों की रिकोर्डिंग पर घवान दे रहे है।

फिल्म में वड़े युद्ध द्रस्य, भव्य सेट और एक गहदी भावनान्मक कहानी देखने को मिलेगी। तीनों सितारों को पहली वार इतने बड़े स्तर पर एक साथ देखने को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। ट्रेड विस्लेशकों का मानना है कि 'लव एंड वॉर' आने वाले वर्ष की सबसे वड़ी फिल्में में शामिल हो सकती है। फिलहाल रिलीव तिथि की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है, लेकिन सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी हर जानकारी तेजी से वायरल हो रही है।

करण जौहर ने मलयालम सिनेमा में रखा कदम, 'ओडियान: द एज ऑफ इल्यूजन' की घोषणा

पृथ्वीराज सुकमारन और मंजू वारियर आएंगे नजर, फैंटेसी पर आधारित है कहानी

मुंबई। प्रसिद्ध फिल्म निमांता करण जोहर ने दधिण भारतीय फिल्म डद्योग में अपनी मीजुदनी और मजवुत करते हुए मलयालम सिनेमा में प्रवेश की घोषणा की है। उनकी नई फिल्म 'ओडियान: द एज ऑफ इल्यूजन' का आधिकारिक ऐलान 16 जून को किया गया।

फिल्म में मलयालम सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता पृथ्वीराज सुकमारन और अभिनेत्री मंजू वारियर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म धर्मा प्रोडकशंस और पृथ्वीराज प्रोडकशंस के संयुत्त बैनर तले बनाई जा रही है। फिल्म की कहानी केरल की लोककथाओं और रहस्यमयी फैंटेसी दुनिया से प्रेरित बताई जा रही है।

करण जोहर ने कहा कि भारतीय सिनेमा अव भाषा की सीमाओं से आने बढ़ चुका है और विभिन्न फिल्म डद्योगों के बीच सहयोग का नया दौर शुरू हो चुका है। फिल्म विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजन हिंदी और मलयालम सिनेमा के बीच रचनान्मक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण उडाहरण वन सकती है।

फिल्म की खास बातें

- ☆ केरल की लोककथाओं और फैंटेसी तत्वों पर आधारित कहानी
- ☆ भव्य विज़ूअल इफिक्ट्स और पिरियड सेट्स
- ☆ धर्मा प्रोडकशंस और पृथ्वीराज प्रोडकशंस की प्रस्तुति
- ☆ जल्द शुरू होगी फिल्म की शुटिंग

> "यह मेरे लिए एक नया और रोमांचक अनुभव है। मलयालम सिनेमा की समृद्ध संस्कृति और कहानी कहने का तरीका वेहद प्रेरणादायक है।
>
> – करण जौहर

'भारत भाग्य विधाता' की धीमी शुरुआत, बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से कम कमाई

पहले चार दिनों में कमाई रही निराशाजनक, आने वाला वीकेंड होगा निर्णायक

मुंबई। अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित सफलता नहीं मिलती दिखाई दे रही है। रिलीज के शुरुआती चार दिनों में फिल्म की कमाई उम्मीद से कम रही है।

फिल्म को लेकर रिलीज से पहले काफी प्रचार किया गया था, लेकिन सिनेमाघरों में दर्शकों की संख्या अपेक्षाकृत कम रहने के कारण इसका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि फिल्म को सकारात्मक 'वर्ड ऑफ माउथ' का लाभ नहीं मिल पाया, जिसका असर टिकट बिक्री पर दिखाई दे रहा है।

ट्रेड विश्लेषकों के अनुसार आने वाला सप्ताहांत फिल्म के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा। यदि दर्शकों की संख्या में बढ़ोतरी नहीं हुई तो फिल्म के लिए अपनी लागत निकालना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

चार दिनों का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन (अनुमानित)

दिन	कलेक्शन (करोड़ रुपये में)
पहला दिन	5.25
दूसरा दिन	6.10
तीसरा दिन	6.75
चौथा दिन	5.90
कुल (4 दिन)	24.00 करोड़

विशेषज्ञों की राय

फिल्म के कंटेंट और प्रस्तुति को सराहना मिल रही है, लेकिन दर्शकों तक प्रभावी तरीके से पहुंचने में कमी दिखी है। वीकेंड पर कमाई में सुधार की उम्मीद है।

सातवें बड़े मंगल पर भक्ति में डूबा लखनऊ,

मंदिरों में उमड़ा जनसैलाब, शहरभर में लगे हजारों भंडारे

सातवें बड़े मंगल पर लखनऊ के हनुमान मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शहरभर में एक हजार से अधिक भंडारे आयोजित हुए। अखिलेश यादव और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने भी प्रसाद वितरण कर सेवा की।

ज्येष्ठ माह के सातवें बड़े मंगल पर मंगलवार को राजधानी लखनऊ पूरी तरह भक्तिमय माहौल में रंगी नजर आई। सुबह से ही शहर के प्रमुख हनुमान मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। अलीगंज स्थित प्राचीन महावीर हनुमान मंदिर, हनुमान सेतु मंदिर, पुराने हनुमान मंदिर, दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, हनुमंत धाम, गुलाचीन मंदिर और लेटे हनुमान मंदिर सहित शहर के विभिन्न मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा।अलीगंज स्थित प्राचीन महावीर हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। यहां पुलिसकर्मियों की ड्यूटी सादे कपड़ों में भी लगाई गई थी, ताकि सुरक्षा व्यवस्था पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों द्वारा पूजा-अर्चना, हनुमान चालीसा पाठ और भजन-कीर्तन का दौर चलता रहा। प्राचीन हनुमान मंदिर में 70 वर्षीय एक साधु विशेष आकर्षण का केंद्र बने रहे। उन्होंने सुबह पांच बजे से हारमोनियम के साथ अखंड कीर्तन शुरू किया, जो रात 11 बजे तक लगातार चलता रहा। लगभग 18 घंटे तक चलने वाले इस कीर्तन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भक्ति रस में डूबे रहे।मंदिर में दर्शन करने पहुंची एक महिला श्रद्धालु ने अपनी आस्था साझा करते हुए बताया कि उन्होंने बड़े मंगल पर भंडारा कराया था, जिसके बाद उनकी मनोकामना पूरी हुई और उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। उन्होंने इसे हनुमान जी की कृपा बताया।सातवें बड़े मंगल के अवसर पर राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने भी जगह-जगह भंडारों का आयोजन किया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हजरतगंज में मान्यता प्राप्त पत्रकारों द्वारा आयोजित भंडारे में पहुंचकर श्रद्धालुओं को पूड़ी वितरित की। वहीं प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर के बाहर आयोजित भंडारे में प्रसाद वितरण कर सेवा कार्य में भाग लिया। राजधानी में इस अवसर पर एक हजार से अधिक भंडारों का आयोजन किया गया। मुख्य मार्गों से लेकर मोहल्लों की गलियों तक श्रद्धालुओं के लिए भोजन और शरबत की व्यवस्था की गई। हजरतगंज में आयोजित एक विशेष बुफे भंडारा लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। यहां मटर पनीर, छोले, कढ़ी, सूखे आलू, पूड़ी, खस्ता, जीरा राइस, काजू राइस, आइसक्रीम समेत 21 प्रकार के व्यंजन परोसे गए। श्रद्धालुओं ने अपनी पसंद के अनुसार स्वयं भोजन परोसकर प्रसाद ग्रहण किया।पूरे शहर में मंदिरों से गूंजते जयकारों और लाउडस्पीकरों पर बजते भजनों ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। बड़े मंगल के अवसर पर श्रद्धालुओं की आस्था, सेवा और सामाजिक सहभागिता का अनूठा संगम देखने को मिला।

बरौना गांव में भट्ठे पर काम को लेकर शुरू हुआ विवाद तड़के हिंसक हो गया

मोहनलालगंज क्षेत्र के बरौना गांव में भट्ठे पर काम को लेकर शुरू हुआ विवाद मंगलवार तड़के हिंसक हो गया। पीड़ित विवेक सिंह ने आरोप लगाया है कि कुछ लोगों ने उसके घर पर पथराव किया, जिससे उसकी बहन घायल हो गई। उसने फायरिंग और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को मौके से कुछ खोखे मिले हैं, जिसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। बरौना गांव निवासी विवेक सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मंगलवार सुबह करीब चार बजे वह टहलने निकला था। घर से लगभग 500 मीटर दूर अवध भट्ठे के पास खड़े दो चार पहिया वाहनों के पास से गुजरते समय दो युवकों ने उसे रोका। युवकों ने विवेक से कहा कि भट्ठे पर जेसीबी मशीन और अन्य सभी काम वही करेंगे, उसे कोई काम नहीं करने दिया जाएगा। विरोध करने पर आरोपितों ने उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। इसके बाद विवेक घर लौट आया। तहरीर के अनुसार, लगभग एक घंटे बाद सुबह पांच बजे चार चारपहिया वाहनों से कई लोग विवेक के घर पहुंचे। उन्होंने गेट पर ईंट-पत्थर फेंकना शुरू कर दिया और गाली-गलौज की। शोर सुनकर विवेक की मां हेमलता और बहन बाहर निकलीं। आरोप है कि इसी दौरान फेंका गया एक पत्थर उसकी बहन के हाथ में लगा, जिससे वह घायल हो गई। विवेक सिंह का आरोप है कि विरोध करने पर दो युवकों और उनके साथियों ने तीन से चार राउंड फायरिंग की। उन्होंने विवेक और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई।

विभूतिखंड में युवक की कार पर पथराव, अपहरण के प्रयास का आरोप

लखनऊ के विभूतिखंड थाना क्षेत्र में एक युवक ने कुछ लोगों पर कार घेरकर पथराव करने, जबरन साथ ले जाने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। साथ ही कहा है कि उसे मारकर शव गायब करने की भी धमकी दी गई। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से करते हुए कार्रवाई की मांग की है। बाराबंकी के पीरबटावन निवासी राजा धनपत राय के अनुसार, सोमवार को वह लोहिया अस्पताल से अपने घर लौट रहे थे। आरोप है कि देहाती मीट रेस्टोरेंट के पास पहले से मौजूद शांतनु सिंह उर्फ झम्मन और अमन सिंह अपने कई अज्ञात साथियों के साथ स्कॉर्पियो और थार वाहनों से उनका पीछा करने लगे। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने उनकी कार संख्या UP32KJ0009 को घेर लिया और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। आरोप है कि इस दौरान कार का गेट खोलकर उन्हें जबरन अपने साथ ले जाने का प्रयास भी किया गया। विरोध करने पर कथित तौर पर गोली मारने और शव गायब कर देने की धमकी दी गई। राजा धनपत राय ने शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी अवैध असलहों से लैस थे। किसी तरह वह कार की रफ्तार बढ़ाकर मौके से निकलने में सफल रहे। पीड़ित का कहना है कि घटना से संबंधित वीडियो और फुटेज उसके पास मौजूद हैं, जिन्हें वह जांच के लिए पुलिस को उपलब्ध कराने को तैयार है। पीड़ित ने विभूतिखंड पुलिस से आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

1912 सेवा केंद्र में कर्मचारियों का हंगामा,

वेतन और पीएफ को लेकर जताई नाराजगी

हुसैनगंज स्थित 1912 बिजली उपभोक्ता सेवा केंद्र में कार्यरत कर्मचारियों ने सोमवार रात जमकर हंगामा किया। काम रोककर जमकर बवाल किया और '1912 हाय-हाय' के नारे लगाए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कर्मचारियों को समझाकर शांत कराया। इस समय 1912 में आउटसोर्सिंग कंपनी सीवाईप्यूचर कर्मचारियों की हायरिंग और वेतन भुगतान कर रही है। कर्मचारियों का कहना था कि उन्हें हर महीने समय पर वेतन नहीं मिल रहा, जबकि शासन के निर्देशों के अनुसार वेतन का भुगतान माह की 1 से 5 तारीख के बीच किया जाना चाहिए। कर्मचारियों के अनुसार, कंपनी की ओर से वेतन 18 से 20 तारीख के बीच जारी किया जाता है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि पीएफ कटौती में अनियमितता बरती जा रही है। उनका कहना है कि कर्मचारी अंशदान के साथ-साथ नियोक्ता (कंपनी) का हिस्सा भी उनके वेतन से काटा जा रहा है, जो श्रम नियमों के विपरीत है। कर्मचारियों का आरोप है कि उपस्थिति के आधार पर भी अत्यधिक सख्ती बरती जा रही है। लॉगइन समय में एक-एक सेकंड की देरी या कमी पर वेतन कटौती की जा रही है। इतना ही नहीं, 8 घंटे की ड्यूटी अवधि में एक सेकंड भी कम होने पर कर्मचारियों को हाफ डे चिह्नित कर दिया जाता है, जिससे उनके वेतन पर सीधा असर पड़ता है। कर्मचारियों ने संबंधित विभाग और प्रबंधन से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि ऐसी व्यवस्था से कर्मचारियों का शोषण हो रहा है और कार्यस्थल पर असंतोष बढ़ रहा है।

पूर्व जज की कार रोककर लूट का प्रयास

लखनऊ के गोमतीनगर क्षेत्र में इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस एसएन अग्निहोत्री के साथ बीच सड़क पर अभद्रता और संदिग्ध तरीके से वाहन रोकने का मामला सामने आया है। पूर्व जस्टिस ने ऑटो चालक और उसके दो साथियों पर लूटपाट व कार छीनने की कोशिश का आरोप लगाते हुए गोमतीनगर थाने में शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित अवध विहार निवासी एसएन अग्निहोत्री ने पुलिस से की शिकायत में बताया 4 जून को वह दांत के इलाज के लिए गोमतीनगर स्थित मेट्रो हॉस्पिटल जा रहे थे। जनेश्वर मिश्र पार्क के पास पहले अंडरपास से गुजरते समय पीछे से आ रहे एक ऑटो चालक ने लगातार हॉर्न बजाया। सड़क पर प्लास्टिक कोन लगाकर लेन विभाजित किए जाने के कारण उन्हें तुरंत रास्ता देना संभव नहीं था। आगे जगह मिलने पर उन्होंने अपनी कार को बाईं ओर कर ऑटो को निकलने का रास्ता दिया। आरोप है कि ऑटो चालक तेज गति से उनकी कार के आगे पहुंचा और अचानक ऑटो रोककर रास्ता बंद कर दिया। इसके बाद वह वाहन से उतरकर कार के पास आया और गाली-गलौज करते हुए कार का चालक की तरफ का दरवाजा जबरन खोल दिया।

मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत बंथरा में जागरूकता अभियान

महिलाओं को सुरक्षा और अधिकारों की दी जानकारी

लखनऊ में पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर के निर्देश पर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत मंगलवार को बंथरा पुलिस ने तिरवा गांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस दौरान उप निरीक्षक रमेश चंद्र, उप निरीक्षक सीमा सिंह, हेड कांस्टेबल छत्रपाल सिंह और महिला कांस्टेबल स्वाति सिंह ने एंटी रोमियो टीम के साथ गांव का दौरा किया। उन्होंने महिलाओं और बालिकाओं से सीधे संवाद स्थापित किया। पुलिस टीम ने उन्हें घरेलू हिंसा से बचाव, सार्वजनिक स्थानों पर सतर्कता बरतने, ऑटो व अन्य वाहनों में यात्रा करते समय सुरक्षा संबंधी सावधानियों और किसी भी आपात स्थिति में पुलिस से संपर्क करने के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला सहायता हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के महत्व पर प्रकाश डाला गया। साथ ही, महिला सुरक्षा केंद्र, महिला हेल्प डेस्क, यूपी कॉप ऐप और सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताते हुए संदिग्ध कॉल, लिंक और ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने की अपील की। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे अत्यंत उपयोगी बताया।

उन्नाव क्रिकेट स्टेडियम परियोजना पर उठे सवाल

मोहसिन रजा ने लगाए वित्तीय अनियमितताओं के आरोप

उन्नाव के सोनिक स्थित निर्माणाधीन क्रिकेट स्टेडियम को लेकर अब विवाद खड़ा हो गया है। वक्फ एवं हज बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन रजा ने स्टेडियम का निरीक्षण करने के बाद परियोजना में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद न तो आधुनिक क्रिकेट एकेडमी तैयार हो सकी है और न ही खिलाड़ियों के लिए मानक के अनुरूप खेल मैदान विकसित हो पाया है। मोहसिन रजा ने निर्माण कार्यों और मौके की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस उद्देश्य से इस परियोजना की शुरुआत की गई थी, वह पूरा होता नजर नहीं आ रहा है। उनका कहना था कि युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के नाम पर बड़ी धनराशि खर्च की गई, लेकिन धरातल पर अपेक्षित परिणाम दिखाई नहीं दे रहे हैं। मोहसिन रजा ने जोर देकर कहा कि क्रिकेट स्टेडियम और एकेडमी जैसी परियोजनाएं युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। हालांकि, यदि इनमें पारदर्शिता नहीं बरती जाती तो खिलाड़ियों के हित प्रभावित होते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना में धन के उपयोग को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं,जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने उत्तर प्रदेश क्रिकेट प्रशासन से जुड़े कुछ लोगों पर भी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया। मोहसिन रजा ने पूरे मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये की इस परियोजना में यदि अनियमितता हुई है, तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। मोहसिन रजा ने चेतावनी दी कि यह मामला केवल एक स्टेडियम तक सीमित नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों और खेल सुविधाओं से जुड़ा एक गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई, तो वह प्रदेश स्तर पर एक अभियान चलाएंगे और इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि सरकार लगातार खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। ऐसे में कुछ लोगों की लापरवाही या गलत कार्यप्रणाली के कारण इन महत्वपूर्ण योजनाओं का मूल उद्देश्य प्रभावित नहीं होना चाहिए।

उन्नाव की विवाहिता की मुंबई में मौत

उन्नाव की 20 वर्षीय विवाहिता शिवानी की मुंबई में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मायके पक्ष ने ससुरालियों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शिवानी आसीवन थाना क्षेत्र के खरगौरा की निवासी थी। उसकी शादी 16 नवंबर 2025 को सफीपुर थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव निवासी संजय के साथ हुई थी। शादी के बाद वह अपने पति के साथ मुंबई के कमला नेहरू नगर इलाके में रह रही थी। परिजनों के मुताबिक, वह लगभग एक माह पहले ही पति के साथ मुंबई गई थी। रविवार को मुंबई पुलिस ने परिजनों को शिवानी की मौत की सूचना दी। सूचना मिलने पर परिजन मुंबई पहुंचे, जहां शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव को उन्नाव लाया गया। मंगलवार को उन्नाव में शिवानी का दोबारा पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, ताकि मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सके। मृतका के परिजनों का आरोप है कि ससुराल पक्ष शादी के बाद से ही अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहा था। उन्होंने बताया कि शिवानी से दो लाख रुपये नकद और एक अपाचे बाइक की मांग की जा रही थी। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। परिजनों ने यह भी बताया कि शिवानी करीब चार माह की गर्भवती थी।

उन्नाव नगर पालिका में फिर गरमाई सियासत, सभासदों ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

उन्नाव में नगर पालिका परिषद में एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। कई सभासदों ने प्रेस वार्ता कर पालिका प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सभासदों का कहना है कि सरकार से पर्याप्त बजट मिलने के बावजूद नगर पालिका में भ्रष्टाचार के कारण आम जनता परेशान है। उन्होंने "मोदी-योगी सरकार ने दिया भरपूर बजट, फिर भी भ्रष्टाचार के चलते जन-जन बेहाल है" का नारा भी दिया। प्रेस वार्ता में सभासद अमित सिंह बउवा, ब्रजेश पांडे, सतीश यादव सहित कई अन्य सभासद मौजूद रहे। सभासदों ने आरोप लगाया कि पिछले तीन वर्षों से वे लगातार नगर पालिका में समस्याओं और अनियमितताओं को लेकर शिकायतें कर रहे हैं, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। सभासदों ने बताया कि उन्होंने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी, एडीएम, जिलाधिकारी, कमिश्नर और मुख्यमंत्री कार्यालय तक पत्राचार किया है। इसके बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पत्रों को गंभीरता से नहीं लिया जाता और शिकायतों को नजरअंदाज कर दिया जाता है। सभासदों ने नगर पालिका में खरीद और विकास कार्यों को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि जेम (GeM) पोर्टल के माध्यम से खरीद में भी अनियमितताएं हुई हैं। खजूर के पेड़ों की खरीद का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि पोर्टल पर खरीद संभव होने के बावजूद इसे लेकर गलत जानकारी दी गई। नगर पालिका के विकास कार्यों पर सवाल उठाते हुए सभासदों ने कहा कि पालिका की ओर से सैकड़ों सड़कें बनवाने का दावा किया जा रहा है, लेकिन छोटे-छोटे कार्यों के लिए भी जनता को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि एक वार्ड में मात्र 18 हजार रुपये के क्रॉस निर्माण का काम भी लंबे समय से लंबित है। सभासदों ने चेयरमैन और चेयरमैन पति के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें मुख्यमंत्री का संरक्षण मिलने की बात कही गई थी।

60 लाख रुपये के भ्रष्टाचार के आरोपों पर नगर पंचायत का पलटवार, बताया भ्रामक

उन्नाव में पुरवा नगर पंचायत प्रशासन ने बिलेश्वर महादेव मंदिर तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में कथित 60 लाख रुपये के भ्रष्टाचार के आरोपों को निराधार बताया है। नगर पंचायत का कहना है कि इस कार्य के लिए अभी तक कोई भुगतान नहीं किया गया है, ऐसे में वित्तीय अनियमितता के आरोप पूरी तरह गलत हैं। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर बिलेश्वर महादेव मंदिर तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में बड़े घोटाले की खबरें प्रसारित हो रही थीं। इन आरोपों के बाद पुरवा नगर पंचायत प्रशासन ने एक प्रेस वार्ता कर पूरे मामले पर सफाई दी और आरोपों को तथ्यों से परे बताया। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी (ईओ) संदीप कुमार ने स्पष्ट किया कि मंदिर तालाब जीर्णोद्धार कार्य के लिए अब तक किसी भी प्रकार का भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि बिना किसी जांच और प्रमाण के सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं फैलाई जा रही हैं, जिससे जनता के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। ईओ ने यह भी बताया कि नगर पंचायत द्वारा सभी विकास कार्यों में नियमों का पालन किया जाता है और भुगतान की प्रक्रिया कार्य की प्रगति एवं पूर्णता के आधार पर ही होती है। उन्होंने 60 लाख रुपये के गबन की बात को पूरी तरह गलत और निराधार बताया। नगर पंचायत अध्यक्ष रेनू गुप्ता ने भी सोशल मीडिया पर लगाए जा रहे आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यदायी संस्था को भुगतान तभी किया जाता है, जब कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार पूरा हो जाता है। बिलेश्वर महादेव मंदिर तालाब जीर्णोद्धार कार्य में अभी तक कोई भुगतान नहीं हुआ है। अध्यक्ष ने आगे कहा कि कार्यदायी संस्था "मेसर्स संदीप शुक्ला कंस्ट्रक्शन" को लेकर भी लगाए जा रहे आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों द्वारा बिना प्रमाण के जनप्रतिनिधियों और नगर पंचायत की छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं वार्ड संख्या-1 की सभासद ज्योति वर्मा ने बताया कि उनके क्षेत्र में मंदिर जीर्णोद्धार कार्य का प्रस्ताव जरूर रखा गया था, लेकिन इसके लिए अभी तक कोई धनराशि स्वीकृत या जारी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि जब धनराशि जारी ही नहीं हुई तो उसके दुरुपयोग या भुगतान के आरोप लगाना पूरी तरह बेबुनियाद है। नगर पंचायत प्रशासन ने कहा कि विकास कार्यों को लेकर पारदर्शिता बरती जा रही है और यदि किसी व्यक्ति के पास आरोपों से संबंधित कोई तथ्य या प्रमाण हैं तो वह जांच एजेंसी के सामने प्रस्तुत कर सकता है।

12 वर्षीय बालक हाईटेंशन लाइन की चपेट में, गंभीर रूप से झुलसा

उन्नाव के अचलगंज थाना क्षेत्र के टिकरी गांव में जामुन तोड़ने पेड़ पर चढ़ा एक 12 वर्षीय बालक हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों ने उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए कानपुर के हैलेट अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, टिकरी गांव निवासी हरी का 12 वर्षीय पुत्र गौरव गांव के पास एक जामुन के पेड़ पर जामुन खा रहा था। इसी दौरान वह पेड़ के पास से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से गौरव गंभीर रूप से झुलस गया और पेड़ से नीचे गिर गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तुरंत परिजनों को सूचना दी और घायल गौरव को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार शुरू किया। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. आशीष सक्सेना ने बताया कि बालक करंट लगने से गंभीर रूप से झुलसा है। उसका इलाज किया जा रहा है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना के बाद गांव में चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से मांग की है कि आबादी वाले क्षेत्रों से गुजर रही हाईटेंशन लाइनों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। स्थानीय लोग भी जिला अस्पताल पहुंचकर घायल बालक के परिजनों से मिले। गौरव का इलाज जारी है।

डीएम घनश्याम मीना का सख्त एक्शन, सात अपराधियों को किया जिला बदर

उन्नाव में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने बड़ी कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत गंभीर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए सात अपराधियों को जिला बदर करने के आदेश जारी किए गए हैं। इसके साथ ही गंभीर अपराधों में पंजीकृत चार अपराधियों के शस्त्र लाइसेंस भी निरस्त कर दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जिला बदर किए गए अपराधियों को निर्धारित अवधि तक उन्नाव जनपद और उससे सटे जिलों की सीमाओं से बाहर रहने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित अपराधियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला बदर किए गए अपराधियों में गंगाघाट थाना क्षेत्र के पीपरखेड़ा डेरावाला निवासी अमरपाल यादव उर्फ छोटू यादव, पुरवा थाना क्षेत्र के दयालखेड़ा निवासी लल्लन, गंगाघाट थाना क्षेत्र के गजियाखेड़ा निवासी सुनील, बांगरमऊ थाना क्षेत्र के खैरहन निवासी आरिफ मंसूरी उर्फ आरिफ अहमद, गंगाघाट थाना क्षेत्र के श्रीनगर शुक्लागंज निवासी विनीत सिंह, बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के भिक्खनपुर गोपालपुर निवासी अरविंद अवस्थी उर्फ मोहन और अनमोल उर्फ विवेक कुमार शामिल हैं।

राम मंदिर चढ़ावा गबन मामले पर सियासत तेज

अखिलेश और शिवपाल ने उठाए जांच पर सवाल

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन मामले की जांच एसआईटी कर रही है। इस बीच समाजवादी पार्टी ने मामले को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। अखिलेश यादव और शिवपाल यादव के बयानों के बाद प्रदेश की राजनीति में नई हलचल शुरू हो गई है।

राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन मामले को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए भाजपा सरकार को निशाने पर लिया है। वहीं दूसरी ओर इस पूरे प्रकरण की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अयोध्या पहुंचकर जांच प्रक्रिया को आगे बढ़ा दिया है।समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए मामले को गंभीर बताते हुए इसकी गहन जांच की मांग की। उन्होंने लिखा कि "आगे-आगे देखिए होता है क्या? चढ़ावे से बात चंदे तक पहुंची और चंदे से जमीन तक, जमीन से अति बहुमूल्य अरबों रुपये की श्रीराम शिलाओं के गायब होने तक।" अखिलेश ने आरोप लगाया कि पूरे मामले की तह तक पहुंचना जरूरी है और यह पता लगाया जाना चाहिए कि इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मामले में जुड़े लोगों की पूरी जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई जनता के सामने आ सके।अखिलेश यादव के बयान के बाद राजनीतिक माहौल और गर्मा गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने भी मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राम मंदिर जैसी आस्था के केंद्र से जुड़ी किसी भी वित्तीय अनियमितता की निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि किसी स्तर पर गबन या अनियमितता हुई है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। शिवपाल ने एसआईटी की जांच का स्वागत करते हुए कहा कि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से की जानी चाहिए ताकि किसी प्रकार का संदेह न रहे।उधर, मामले की जांच कर रही एसआईटी टीम सोमवार को अयोध्या पहुंची और जांच की औपचारिक प्रक्रिया शुरू की। टीम ने सबसे पहले राम मंदिर परिसर में दर्शन-पूजन किया और इसके बाद दानपात्र तथा चढ़ावे की व्यवस्था का निरीक्षण किया। जांच अधिकारियों ने दानपात्र में आने वाली धनराशि, उसकी गणना की प्रक्रिया तथा सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित जानकारी जुटाई। टीम ने उस सुरक्षित स्थान का भी निरीक्षण किया जहां दानपात्र रखे जाते हैं।सूत्रों के अनुसार एसआईटी ने मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी मांगी है और संबंधित अभिलेखों की जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसी का उद्देश्य यह पता लगाना है कि चढ़ावे की राशि के प्रबंधन में कहीं कोई अनियमितता या वित्तीय गड़बड़ी तो नहीं हुई। फिलहाल जांच जारी है और राजनीतिक दलों की नजरें अब एसआईटी की रिपोर्ट पर टिकी हुई हैं।

पूर्वी यूपी में राहत, हल्की बारिश का सिलसिला जारी रहेगा

यूपी के मौसम में लगातार बदलाव नजर आ रहा है। कहीं कहीं हल्की बारिश हो रही है, साथ ही करीब करीब पूरे प्रदेश मे आंधी और तेज हवा का दौर चल रहा है। हालांकि अक्सर देखने को मिल रहा है, एक जगह बूंदाबांदी होती है तो उसके पास दूसरी जगह सूखा पड़ा रहता है। यानी कुल मिलाकर देखा जाए तो प्री मानसून की गतिविधियां शुरू हो चुकी है। उत्तर प्रदेश में प्री मानसून ने दस्तक दे दी है। बादल आसमान पर छाए हुए हैं। तेज हवाएं चल रही हैं। यहां मानसून पहले पश्चिम से दस्तक देता है। अब समझ लीजिए कि 16 जून यानी मंगलवार को मौसम कैसा रह सकता है। ऐसे में गोरखपुर, बनारस, आजमगढ़, बलिया और प्रयागराज और उसके आसपास के जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना है। हालांकि मध्य यूपी यानी लखनऊ, कानपुर, उन्नाव और सीतापुर और आसपास के जिलों में तेज हवा चलती रहेगी। साथ ही कहीं कहीं बूंदाबांदी के भी आसार हैं। पश्चिमी यूपी के मेरठ, नोएडा, आगरा, अलीगढ़, सहारनपुर में अभी गर्मी रहेगी। यहां आंधी आ सकती है। केरल से मानसून की एंट्री हो चुकी है। यूपी में इसी महीने के तीसरे सप्ताह में ये आ जाएगा। वैसे तो यूपी में मानसून 18 से 20 जून तक आता है, लेकिन हो सकता है कि इस बार दो से तीन दिन की देरी हो। ऐसे में 22 से 23 जून तक झमाझम बारिश होने की बात सामने आ रही है। अधिकांश जिलों में अच्छी बारिश शुरू हो सकती है। इस बीच आने वाले कुछ दिन गर्मी से पूरी तरह से राहत नहीं मिलेगी, लेकिन इतना जरूर है कि जहां जहां हल्की बारिश हो रही है, वहां तापमान में हल्की सी गिरावट देखने के लिए मिलेगी। इस वक्त बुंदेलखंड के जिले लगातार भयंकर गर्मी से जूझ रहे हैं, वहां ये सिलसिला जारी रहेगा। अब करीब एक सप्ताह का वक्त ही और बचा है, उसके बाद पूरा प्रदेश बारिश से सराबोर हो जाएगा। इस बार संभावना जताई गई है कि मानसून सामान्य रहेगा, यानी ठीकठाक बारिश के आसार नजर आ रहे हैं।

सोशल मीडिया के जरिए हथियारों की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

वाराणसी पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिए हथियारों की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में वाराणसी पुलिस ने एक के बाद एक कड़ी को जोड़ा और एक बदमाश से दूसरे बदमाश तक के सफर को तय किया। इस मामले में 7 अभियुक्त गिरफ्तार हुए हैं, जिनके पास से असलहे की बड़ी खेप बरामद हुई है। चोलापुर थाना पुलिस ने एसओजी के साथ संयुक्त रूप से अभियान चलाकर 7 असलहा तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस को आरोपियों के पास से भारी मात्रा में पिस्टल, तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं। पूरे मामले का खुलासा करते हुए डीसीपी वरुणा प्रमोद कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में से मुख्य सरगना अखिलेश उर्फ मोनू राजभर के ऊपर पुलिस सर्विलांस टीम के जरिए नजर बनाई हुई थी। उन्होंने बताया कि अखिलेश व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम के माध्यम से बिहार से असलहे मंगवाकर खरीदने और बेचने का काम किया करता था। डीसीपी ने बताया कि इस दौरान अखिलेश के साथ ही अरुण राजभर, हिमांशु कुमार, आशीष सिंह, विशाल सिंह, अनिकेत चौहान और नमन मिश्रा को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, ये हथियार किससे खरीदते थे, अभी इस बात की जानकारी नहीं हुई है और आगे किसे बेचा जाना था इस बात की भी जानकारी नहीं हो पाई है। डीसीपी ने बताया कि पकड़ा गया मुख्य अभियुक्त अखिलेश कुमार ने एक विश्वविद्यालय से एमकॉम की पढ़ाई की है। इसके बाद उसने एक के बाद एक कई लोगों को अपने साथ जोड़ा। उन्होंने बताया कि अखिलेश के खिलाफ चोलापुर थाने में हिस्ट्री सीट भी खोली गई है। वहीं, हिमांशु उर्फ सनी के खिलाफ भी चोलापुर थाने में पूर्व में आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया है। डीसीपी ने बताया कि अखिलेश, अरुण और हिमांशु तीनों ही जेल में थे इस दौरान उनकी असलहा तस्करों से मुलाकात हुई थी, जिसके बाद वे बिहार से असला मंगा कर इसकी सप्लाई करने लगे।

डॉक्टर बनने का सपना टूटा, फिर शुरू किया फर्जीवाड़ा जांच जारी, दर्ज हुआ मुकदमा

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में पुलिस और सेना के पूर्व सैनिकों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया है, जो खुद को भारतीय सेना का ब्रिगेडियर बताकर पूरे रौब के साथ घूम रहा था। आरोपी न सिर्फ ब्रिगेडियर की वर्दी पहनता था, बल्कि सैन्य अधिकारी जैसा पूरा प्रोटोकॉल भी मेंटेन करता था। उसकी कार पर सेना मुख्यालय (AHQ) का झंडा लगा था और साथ में सुरक्षा कर्मियों जैसी वेशभूषा में लोग भी चलते थे। गिरफ्तार युवक की पहचान आर्यन वर्मा के रूप में हुई है। वह टाटा हैरियर एसयूवी से चलता था, जिस पर सेना मुख्यालय का झंडा और वरिष्ठ सैन्य अधिकारी की पहचान दर्शाने वाली प्लेट लगी हुई थी। उसके साथ एक चालक और दो अन्य युवक मौजूद थे, जो एनएसजी कमांडो जैसी वर्दी पहनकर चलते थे, जिससे लोगों को उस पर आसानी से विश्वास हो जाता था। पुलिस और सैन्य अधिकारियों की जांच में आरोपी के पास से कई संदिग्ध और सैन्य पहचान से जुड़े सामान बरामद हुए। इनमें ब्रिगेडियर रैंक की फर्जी वर्दी, फर्जी सैन्य पहचान पत्र, एयर पिस्टल, पीक कैप, एएमसी (Army Medical Corps) से जुड़े प्रतीक चिन्ह, विजिटिंग कार्ड, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, विभिन्न पहचान पत्र, सैन्य अधिकारियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली 'स्वैगर स्टिक', ड्राइवर का सेना का फर्जी पहचान पत्र, घर के बाहर ब्रिगेडियर की नेम प्लेट इत्यादि बरामद हुए। शुरुआती जांच में पता चला कि आरोपी खुद को सेना की मेडिकल शाखा का वरिष्ठ अधिकारी बताता था और उसी अनुरूप अपना पूरा व्यक्तित्व तैयार कर रखा था। पूछताछ में आर्यन वर्मा ने बताया कि उसका सपना सशस्त्र बलों की मेडिकल सेवा में डॉक्टर बनने का था। लेकिन वह संबंधित परीक्षा पास नहीं कर सका। इसके बावजूद उसने परिवार को बता दिया कि उसका चयन हो गया है। झूठ को सच साबित करने के लिए उसने सैन्य वर्दी और अन्य सामान जुटाया और खुद को ब्रिगेडियर बताकर जीने लगा।